भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर का 17वां स्थापना दिवस समारोह

"हम ऐसा ज्ञान बनाएं जो दुनिया को सूचित करेगा और बदल देगा": ओडिशा के माननीय राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपाटी

भुवनेश्वर, 12 फरवरी 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने 12 फरवरी 2025 को अपना 17वां स्थापना दिवस मनाया है। यह स्मरणोत्सव 12 फरवरी 2009 को अरगुल में संस्थान के परिसर की आधारशिला रखने का जश्न मनाने के लिए था। ओडिशा के माननीय राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रारंभ में, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. श्रीपाद कर्मलकर ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने संस्थान के जन्म और आईआईटी भुवनेश्वर के परिसर के इतिहास के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने विकसित भारत@2047 उद्देश्य की दिशा में संस्थान की यात्रा के बारे में बताया और शिक्षण-अध्ययन, अनुसंधान, उद्योग-अकादमिक सहयोग, उद्यमिता विकास, उत्कृष्ट स्कूल शिक्षकों के निर्माण और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्रों में इसकी नई पहलों पर प्रकाश डाला।

सभा को संबोधित करते हुए, माननीय राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपाटी ने 2008 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान की महत्वपूर्ण प्रगति की सराहना की और वैश्विक उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। राज्यपाल ने आगे कहा कि आईआईटी भुवनेश्वर के बहु-विषयक पाठ्यक्रम और उद्योग-अकादमिक सहयोग पर ध्यान ने इसे अलग स्थापित किया है। उन्होंने छात्रों के बीच उद्यमिता और नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया, जो वैश्विक स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व को दर्शाता है। छात्रों से दृढ़ विश्वास, साहस और करुणा के साथ नेतृत्व करने का आग्रह करते हुए, माननीय राज्यपाल ने उन्हें महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने और 'विकसित भारत' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संस्थान को विकसित दुनिया में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए ज्ञान का सृजन जारी रखना चाहिए और आजीवन सीखने की संस्कृति का निर्माण करना चाहिए। राज्यपाल ने एक प्रेरक संदेश के साथ अपना भाषण समाप्त किया: "आइए हम ऐसा ज्ञान बनाएं जो दुनिया को सूचित और बदल देगा और छात्रों को तकनीकी रूप से मजबूत नेताओं के रूप में तैयार करेंगे जो दुनिया को बदल देंगे।" उन्होंने छात्रों और संकाय को महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि आईआईटी भुवनेश्वर विश्व स्तर पर प्रसिद्ध उत्कृष्टता संस्थान के रूप में विकसित हो।

इस अवसर के दौरान, माननीय राज्यपाल ने संस्थान की विभिन्न प्रमुख अनुसंधान और विकास सुविधाओं का दौरा किया, जिनमें आईआईटी भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क, सिलिकॉन कार्बाइड अनुसंधान और नवाचार केंद्र (SiCRIC), माइक्रोफैब्रिकेशन और कैरेक्टराइजेशन लैब, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली, वर्चुअल और संवर्धित वास्तविकता उत्कृष्टता केंद्र (VARCoE) और सिस्टम ऑन चिप प्रयोगशाला आदि शामिल हैं।

प्रोफेसर राजेश रोशन दाश, डीन (छात्र मामले) ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर मिहिर पंडित, डीन (संकाय मामले) और संस्थान के रजिस्ट्रार श्री बामदेव आचार्य भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर नवाचार और परिवर्तन के प्रतीक "सोलिस्ट्रा नोवारियन" थीम के साथ अपने वार्षिक सांस्कृतिक और तकनीकी उद्यमिता उत्सव "प्रवाह" का पहला संस्करण लॉन्च किया गया।

स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत से पहले, दो 8-सीटर इलेक्ट्रिक वाहनों की सेवा का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया, जिन्हें केनरा बैंक ने अपनी सीएसआर पहल के तहत आईआईटी भुवनेश्वर में सीएसआर सेल के सहयोग से संस्थान को दान दिया था। उद्घाटन प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर और केनरा बैंक के सर्कल प्रमुख और महाप्रबंधक श्री जगदीश चंदर ने सीएसआर सेल के प्रोफेसर-प्रभारी डॉ. नरेश चंद्र साहू, संकाय सदस्यों, आईआईटी भुवनेश्वर के कर्मचारियों और केनरा बैंक के अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

शाम को संस्थान के छात्रों और सदस्यों द्वारा एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उत्साह और जोश की भावना दिखाई दी।